Q. Define Primary group. Distinguish between primary group and secondary group.

प्राथमिक समूह को परिभाषा दें। प्राथमिक तथा द्वैतीयक समूह में अन्तर स्पष्ट करें।

Ans → सामाजिक समूहों का वर्गीकरण कई आधार पर किया गया है। अमेरिकन समाजशास्त्री चार्ल्स कूले (Charles Cooley) ने समूह के दो भेद किये हैं – प्राथमिक समूह तथा द्वैतीयक समूह, समय और महत्व की दृष्टि से जो समूह सर्वप्रथम है उसे कूले ने प्राथमिक समूह का नाम दिया है। ऐसे समूहों में परिवार, पड़ोस, क्रीड़ा समूह आदि का नाम आता है।

परिभाषा (Definition) विभिन्न विद्वानों ने प्राथमिक समूह को परिभाषित किया है, जिनमें कुछ परिभाषाएँ इस प्रकार हैं –

कूले के अनुसार, "प्राथमिक समूह से मेरा तात्पर्य उन समूहों से है जिनकी प्रमुख विशेषता आमने-सामने के घनिष्ठ संबंध और सहयोग की भावना है। ये समूह अनेक प्रकार से प्राथमिक हैं, लेकिन प्रमुख रूप से इस अर्थ में कि ये व्यक्ति की सामाजिक प्रकृति और आदर्शों का निर्माण करने में मौलिक है। मनोवैज्ञानिक रूप से इस घनिष्ठ संबंध के फलस्वरूप सभी व्यक्तियों का एक सामान्य सम्पूर्णता में इस प्रकार घुल-मिल जाना है कि अनेक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हर व्यक्ति के विचार और उद्देश्य सम्पूर्ण समूह का सामान्य जीवन एवं उद्देश्य बन जाता है।

इस सम्पूर्णता को अभिव्यक्त करने के लिए संभवतः सरल ढंग है कि इसे "हम शब्द द्वारा संबोधित किया जाये। इस सम्पूर्णता में इस प्रकार की सहानुभूति और पारस्परिक एकरूपता की भावना पायी जाती है जिसके लिए 'हम' एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति है।"

गुण्डवर्ग के अनुसार प्राथमिक समूह का तात्पर्य दो या दो से अधिक ऐसे व्यक्तियों से है जो घनिष्ठ सहयोग और वैयक्तिक ढंग से एक दूसरे से व्यवहार करते हैं।" बीसवर्ट के अनुसार "प्राथमिक समूह से हमारा अभिप्राय ऐसे समूहों से होता है जो विशेष रूप से सहयोगी हों तथा जिसके सदस्य एक दूसरे से पूर्ण रूप से परिचित होते हैं; किन्तु विशेष रूप से इन्हें प्राथमिक इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि वे व्यक्ति को सामाजिक प्रकृतियों एवं विचारधाराओं का मौलिक निर्माण करते हैं।"

प्राथमिक तथा द्वैतीयक समूह में अन्तर
(Distinction between Primary and Secondary group)

वे समूह प्राथमिक नहीं हैं, वे द्वैतीयक समूह कहलाते हैं। इस प्रकार प्राथमिक समूह और द्वैतीयक समूह एक-दूसरे के विपरीत हैं। अतः दोनों में अन्तर स्वाभाविक है। दोनों में अनेक भिन्नताएं हैं, जिसकी व्याख्या निम्न रूप से की जा सकती है —

(1) प्राथमिक समूह के सदस्यों के बीच औपचारिकता कम पायी जाती है। उनके सम्बन्धों में वास्तविकता ही अधिक होती है। इसके विपरीत द्वैतीयक समूह के सदस्यों के सम्बन्ध औपचारिक तथा दिखावा होते हैं।

(2) प्राथमिक समूह में मनुष्य का अटूट सम्बन्ध रहता है। अतः वह इसका सम्बन्ध तोड़ने की कोशिश नहीं करता है। द्वैतीयक समूह में अटूट सम्बन्ध नहीं होता है। अतः विशेष उद्देश्य की पूर्ति के बाद मनुष्य उससे नाता तोड़ लेता है। उसकी सदस्यता का परित्याग कर देता है।

(3) प्राथमिक समूह सदस्यों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में सहायक होते हैं। द्वैतीयक समूह विशेष कुछ हितों की पूर्ति के कारण व्यक्तित्व के कुछ अंशों के ही विकास में सहायक होते हैं।

(4) प्राथमिक समूह का आकार छोटा होता है, जबकि द्वैतीयक समूह का आकार बड़ा होता है।

(5) प्राथमिक समूह के सदस्यों की संख्या कम होती है; जबकि द्वैतीयक समूह के सदस्यों की संख्या अधिक होती है।

(6) प्राथमिक समूह स्वाभाविक होता है। इसका निर्माण नहीं किया जाता। यह स्वतः विकसित होता है। इसके विपरीत द्वैतीयक समूह आवश्यकतानुसार जानबूझ कर निर्मित किये जाते हैं।

(7) प्राथमिक समूह के सदस्यों के बीच स्थायी सम्बन्ध पाया जाता है; परन्तु द्वैतीयक समूह

के सदस्यों के बीच स्थायी सम्बन्ध नहीं होता है। सदस्य अपने हितों की पूर्ति के बाद समूह से अलग हो जाते हैं।

(8) प्राथमिक समूह के सदस्यों के संबंध आयु और रिश्ते के आधार पर निश्चित होते हैं, जबकि द्वैतीयक समूह के सदस्यों के संबंध योग्यता पद आदि पर आधारित होते हैं।

(9) प्राथमिक समूहों में प्रत्यक्ष सहयोग की भावना रहती है, जबकि द्वैतीयक समूहों में अप्रत्यक्ष सहयोग की भावना पायी जाती है।

(10) प्राथमिक समूहों के सदस्यों पर सामाजिक प्रथाओं द्वारा नियंत्रण स्थापित किया जाता है, परन्तु द्वैतीयक समूहों के सदस्यों पर राज्य के कानून द्वारा नियंत्रण रखा जाता है।

(11) प्राथमिक समूहों में सामूहिक हितों की प्रधानता होती है, परन्तु द्वैतीयक समूहों में व्यक्तिगत हितों की प्रधानता होती है।

(12) प्राथमिक समूहों की सदस्यता अनिवार्य मानी जाती है जबकि द्वैतीयक समूहों की सदस्यता ऐच्छिक होती है।

(13) प्राथमिक समूह आदि प्राचीन हैं। इन्हें ऐतिहासिक भी कहा जाता है। द्वैतीयक समूह को सभ्य और उन्नतिशील समूह कहा जाता है।

इस प्रकार प्राथमिक समूह के उदाहरण हैं - परिवार, पड़ोसियों का समूह, क्रीड़ा समूह आदि। द्वैतीयक समूह के उदाहरण हैं - राजनीतिक दल, मजदूर संगठन आदि।

18/01/2022